B.Ed-II 'पर्यावरण शिक्षा' G.D.M.T.H.S. BUXAR

दिनांक - 29/04/2020 'पर्यावरणीय प्रदर्शनी' by- A.K. Shukla

TOPIC - (Organiging Exhibitions)

आज समूचा विश्व पर्यावरण असंतुलन से उपजी अनेकानेक समस्याओं से जूझ रहा है। भारत भी इन समस्याओं से दो-चार हो रहा है। स्वार्थी मनुष्य निरंतर प्रकृति का दोहन कर रहा है और ऐसा करते हुए उसका आचरण प्रकृति विरोधी हो चुका है। जिस धरा को हम धरती माता कहकर संबोधित करते हैं, उसी धरा को स्वार्थ में अंधे होकर छलनी कर डाला। पर्यावरण को क्षति पहुँचाने वाले अधिकांश कारण मानव जनित ही है और इनमें विकसित देशों का विशेष योगदान है। आज के सन्दर्भ में यह अत्यंत आवश्यक है कि हम पर्यावरण संरक्षण के लिए अनेकों प्रदर्शनी का आयोजन विश्व, देश, प्रदेश, मण्डल, जिला स्तर के साथ-2 सभी स्तर के शिक्षण संस्थाओं में आयोजित कर, उसके प्रति जागरूकता लाकर और साथ ही साथ अनेकों क्रियाकलापों गतिविधियों के द्वारा पर्यावरण को लाभ पहुँचा सकते है।

हम इन बिन्दुओं के माध्यम से पर्यावरण प्रदर्शन में सम्मिलित कर पर्यावरण संरक्षण का कार्य कर सकते है-

(1) पर्यावरणीय खेल (Environmental Games)

(2) पर्यावरणीय गीत (Environmental Songs)

(3) विविध पर्यावरणीय गतिविधियाँ (Different Environmental Activities)

(4) प्रकृति संरक्षण कार्य (Nature Conservation Work)

(i) वृक्षारोपण (Massive Plantation) (ii) जलाशयों की सफाई Cleaning of waterbodies) (iii) जंगलों की सुरक्षा (Preservation of forests)

(iv) प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण (Conservation of Natural Resources)

(5) क्रियात्मक अनुसंधान (Action Researches)

(6) पर्यावरणीय जन जागरूकता कार्यक्रम (Environmental Awarness Bogrammes)

(i) व्याख्यान शृंखला (ii) फिल्म प्रदर्शन (iii) प्रशिक्षण कार्यक्रम

(7) सेमिनार

(8) चित्रकला प्रतियोगिता (9) निबन्ध लेखन (10) वाद-विवाद प्रतियोगिता

(11) फोटोग्राफी प्रतियोगिता (12) नाटक (13) पोस्टर पेंटिंग (14) स्लोगन

Scanned by CamScanner

उपर्युक्त कार्यक्रम पर्यावरणीय समस्याओं और समाधान के सन्दर्भ में किया जाना चाहिए।

पर्यावरण के प्रति लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रदर्शनियों का आयोजन किया जाता है। जनसंख्या विस्फोट, प्रदूषण, कटते वन, बिना आश्रय जंगल में विचरते वन्य जीव, भूकम्प से धराशायी इमारतें, आशक्त और बीमार लोग, ध्वनि प्रदूषण जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, तेजाबी वर्षा आदि जाने कितने विषय हैं जिनके चित्रित दृश्य अथवा फोटोग्राफी की प्रदर्शनी लगाने से पर्यावरण का विविध रूप जन सामान्य के समक्ष प्रस्तुत किया जा सकता है।

इस प्रकार की अनेकों प्रदर्शनी शहर के मध्य ऐसे स्थान पर लगाई जाती है, जहाँ अधिक से अधिक लोग देख सकें। इन्हें थोड़े समय के लिए अन्य नगरों व कस्बों में स्थानान्तरित कर इनका लाभ उन लोगों को दिया जाता है जो सामान्यतया इस प्रकार के कार्यक्रमों से वंचित रह जाते हैं।

पर्यावरण प्रदर्शनी से पर्यावरणीय विभीषिकाओं का प्रदर्शन करके जन-जागरूकता फैलाकर उनके संरक्षण का कार्य किया जाता है।

Scanned by CamScanner